13angle Present's

The Bridge

"A Path Toward Our Aim"

A spirit with a vision is a dream with a mission

IS RELIGION MORE IMPORTANT THAN THE LIFE OF HUMANS ?

IN THE CONTEXT OF

ISRAEL- PALESTINE

CONFLICT

ISRAEL PALESTINE

जहां करोना महामारी ने पूरी दुनिया को तबाह कर दिया है, इंसानों को इंसानों से भयभीत कर दिया उसके बावजूद भी लोग एक दूसरे की मदद के लिए साथ खड़े रहे है| वही एक धर्म विवाद ने इंसानों को वापस से दो गुटों में बांट दिया हैं | धर्म एक ऐसा नशा है जो इंसानियत को सिर्फ और सिर्फ कमजोर बनाता है, खुद को दूसरों से बेहतर दिखाने के लिए मजबूर करता है| लोगों को मन में एक डर पैदा करता है और बर्बादी के मार्ग पर ढकेलता है|

इजरायल और फिलिस्तीन का विवाद भी धर्म से अछूता नहीं है| यह विवाद भी धर्म पर आधारित है| अगर हम पूरे विवाद का विश्लेषण करेंगे तो हमें यह मालूम चलेगा कि किस प्रकार धर्म के कारण इंसानियत का शोषण हुआ है | किस तरह इंसान खुद को दूसरों से बेहतर दिखाने के लिए धर्म की आड़ में दूसरे धर्म के लोगों का शोषण करता है|

The Path Towards Our Aim

इजराइल अरब देशों के बीच के विवाद का मामला बहुत पुराना है, और समय के साथ और भी तीव्र होता जा रहा है| इजरायल विवाद में हम देख सकते हैं कि इस तरह धर्म विवाद के कारण लाखों-करोड़ों लोगों को किस तरीके से एक झटके में उनके जन्म स्थान से बेदखल कर दिया जाता है और अपनी शान और अपनी साख बचाने के लिए उन्हें अलग-अलग मुल्कों में पनाह लेना पड़ता है ,और अपनी जन्म स्थान को वापस पाने के लिए विनती करनी पड़ती है
धर्म के कारण लाखों लोगों का नरसंहार किया जाता है एक धर्म से ताल्लुक रखने के कारण|

"Religion is the cause of all the problems in the world."

आज के युग में यह सवाल उठता है कि धर्म इंसानियत को आगे बढ़ा रहा है या हजारों साल पीछे खींच रहा है | एक तरफ हम विज्ञान का इस्तेमाल करके चांद तक पहुंच चुके हैं नई-नई उपकरणों को विकसित कर चुके हैं वहीं दूसरी ओर उसी विज्ञान का और उन्हीं उपकरणों का इस्तेमाल करके इंसानियत को शर्मसार कर रहे हैं और उनका खात्मा कर रहे हैं|
धर्म का असल मतलब कॉम नहीं है बल्कि निस्वार्थ सेवा भाव है | जब तक हम सब खुद को धर्म के नाम पर बांटते रहेंगे तब तक हम इंसानियत का कभी भला नहीं कर सकते हैं और इंसानियत को निरंतर लुप्त होने के कगार पर ढकेल ते रहेंगे | जब तक हम धर्म का मतलब खुद की कौम को बड़ा और दूसरे की कौम को छोटा समझते रहेंगे तब तक हम इंसानियत की खुलकर निस्वार्थ सेवा नहीं कर पाएंगे|

आज के युग में यह सवाल बहुत महत्वपूर्ण है कि कितना मुश्किल है सभी इंसान को एक बराबर समझना ?
जितना हम सब खुद को तरजीह देते हैं उतना ही दूसरों को देना ?
हर व्यक्ति को समान समझना हम तब तक नहीं कर सकते जब तक हम खुद की सोच नहीं बदलते|
एक बार दिल खोल कर तो देखें, साथ आकर तो देखें | यह दुनिया धर्म की भूखी नहीं है, यह दुनिया प्यार की भूखी है, क्यों न हम सब खुद को बदल के तो देखो क्योंकि बड़ी से बड़ी शुरुआत खुद से होती है और अगर हम सब खुद को बदलें तो दुनिया एक बेहतरीन खूबसूरत जगह होगी जहां किसी भी तरीके का कोई भेदभाव नहीं होगा जहां हथियार की जरूरत नहीं होगी, जहां सिर्फ प्यार की जगह होगी ||

@13angle
@13ang_le
www.13angle.com

About Us

THE BRIDGE is a unit of “13angle”. The Bridge is an editorial magazine focused on providing quality editorial content on a variety of topics. And the content is based on the personal opinion of our authors. Our editorial content is developed after very careful study and analysis of the relevant topic. And any problem related to that topic is also suggested by our authors.

Here, at "The Bridge" we provide information in the form of editorial content. The editorial contents are personal views but are heavily influenced by information as each piece of information depends on one's personal views.

"The Bridge" is a 'people's magazine' that provides an open opportunity even for those who can write but do not have a proper platform to publish their work.

So let's join THE BRIDGE.

The Path Towards Our Aim

Connect With Knowledge

A Path Towards Our Aim

“Vision is your first creation of the future”

Read Free Editorial